Class : 9th
Subject : हिंदी
Chapter : 4
Chapter Name : सॉवले सपनों की याद

Q1. किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया?
Answer. सालिम अली के बचपन की एक घटना ने उनके जीवन की दिशा को बदल दिया और वे पक्षी प्रेमी बन गए। एक बार उनकी एयरगन से एक गौरैया घायल हो गई और ज़मीन पर आ गिरी। इससे सालिम अली का नयी राहों के प्रति रुझान बढ़ा और पक्षियों के प्रति उनके दिल में दया का भाव भर गया। उस नीलकण्ठ गौरैया ने उनके जीवन में मक़सद का एक द्वार खोल दिया जिससे वह पूरी ज़िंदगी अपनी तलाश को जारी रखते रहे। उनके बचपन की इस घटना ने सिर्फ़ उन्हें पक्षी प्रेमी ही नहीं बनाया बल्कि उन्हें प्रकृति प्रेमी भी बना डाला।

Page : 46 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q2. सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आंखें नम हो गई थीं?

Answer. सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण की तमाम समस्याओं का नक़्शा खींचा होगा। उन्होंने अवश्य ही पर्यावरण को हो रहे नुक़सान के बारे में प्रधानमंत्री को बताया होगा।पक्षियों और पशुओं की अनेक नस्लें विलुप्तिकरण के कगार पर खड़ी हैं।कई नस्लें तो विलुप्त भी हो चुकी हैं। सालिम अली ने पर्यावरण से संबंधित इन निम्नलिखित संभावित खतरों का चित्र प्रधानमंत्री के सामने खींचा होगा जिससे उनकी आंखें नम हुई-
पेड़ों को काटकर नए उद्योगों का शुभारंभ किया जाना और इसके लिए पर्यावरण को भारी क्षति पहुँचाना। प्रकृति के संसाधनों से छेड़-छाड़ करके उसे विनाश की राह पर ले जाना। इसके अलावा मानव धर्म को तेज़ी से भूलते जाने के कारण हो रही है सामाजिक और चारित्रिक पतन के कारण पृथ्वी के अस्तित्व को संकट।

Page : 46 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q3. लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि “मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है”?

Answer. लॉरेंस प्रकृति प्रेमी एक साधारण सा इंसान था जिसके अंदर दयाभाव कूट कूर भरा था। अपने दयाभाव और स्वभाव के कारण लॉरेंस लगभग हर व्यक्ति का चहेता बन जाता था। इस तरह वह लोगों में काफ़ी लोकप्रिय भी हो जाता था। यही कारण था कि लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने कहा कि “मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है।”

Page : 46 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q4. आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक ज़िंदगी का प्रतिरूप बन गए थे।
(ख) कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दुबारा कैसे गा सकेगा!
(ग) सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाय अथाह सागर बनकर उभरे थे।

Answer.

(क) इसका तात्पर्य यह है कि जिस प्रकार लॉरेंस प्रकृति के प्रति स्वयं को समर्पित करते थे ठीक उसी प्रकार सालिम अली भी प्रकृति प्रेमी बनगए। उन्हें प्रकृति में पाई जाने वाली एक एक चीज़ से प्रेम था फिर चाहे वह कोई बड़ा जानवर हो या एक छोटी सी चींटी।

(ख) यह बात उस अर्थ में कही गई है जबकि सालिम अली का देहांत हो चुका है। सालिम अली प्रकृति प्रेमी थे और पक्षियों के प्रति उनका लगाव किसी से छिपा नहीं था।वे अपनी आयु के क़रीब सौ साल के पास पहुँचने वाले थे कि कैंसर के कारण मृत्यु को प्राप्त हो गए। वे जानते थे कि उन्हें कैंसर है इसके बावजूद वे कभी अपनी मृत्यु से नहीं घबराए। उनको याद करते हुए लेखक कह रहा है कि वे जिस जहाँ में जा चुके हैं वहाँ से किसी का वापस लौटना मुमकिन नहीं है। अब कोई कितना भी उन्हें याद कर ले, कितना भी उन्हें बुला ले या अपनी ही आयु उन्हें क्यों न भेंट कर दे किन्तु वे वापस नहीं आएंगे।

(ग) टापू और अथाह सागर का तात्पर्य एक जगह रुकने और चलने से है। सालिम अली प्रकृति प्रेमी थे और उन्होंने प्रकृति की नई नई खोजों को करने के लिए ख़ुद को असीमित किया। उन्होंने सीमा जैसी कोई चीज़ न बनाकर अपने प्रेम को प्रकृति के लिए न्योछावर कर दिया। वे टापू की तरह एक जगह नहीं ठहरे बल्कि एक सागर बनकर पूरी दुनिया का भ्रमण करते रहे और चीज़ों को अपने अंदर संजोते रहे।

Page : 46 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q5. इस पाठ के आधार पर लेखक की भाषा शैली की चार विशेषताएँ बताइए।

Answer. इस पाठ के आधार पर लेखक की भाषा शैली की चार विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

1. लेखक ने इस पाठ को संस्मरण विधा में लिखा है। इस पाठ के ज़रिये लेखक ने सालिम अली की यादों को ताज़ा किया है।
2. लेखक की भाषा सरल है और इसे समझना मुश्किल भी नहीं है।
3. लेखक ने ऐसी भाषा का प्रयोग किया है जिसमें हिंदी,अंग्रेज़ी और उर्दू तीनों भाषा के शब्द हैं।
4. लेखक की भाषा बहुत रुचिकर है क्योंकि पाठ की भाषा से हमारे सामने कहानी और उसके पात्रों का चित्र उभर कर आता है।

edugross.com

Page : 47 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q6. इस पाठ में लेखक ने सालिम अली के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

Answer. इस पाठ में लेखक ने सालिम अली के व्यक्तित्व को एक आदर्श के तौर पर पेश किया है। सालिम अली दया भाव से भरपूर एक ऐसे मानव थे जिसे प्रकृति से अथाह प्रेम था। बचपन की एक घटना के कारण उनका जीवन पूरी तरीक़े से बदल गया था और वे पक्षी प्रेमी बन गए थे। उन्हें ना सिर्फ़ प्रकृति से प्यार था बल्कि इसकी चिंता भी थी कि प्रकृति को कैसे बचाया जाए। सालिम अली एक ऐसे व्यक्तित्व के मालिक थे जो सामने वाले बंदे को पूर्ण रूप से अपने जादू के अधीन कर ले अर्थात वे काफ़ी सुलझे हुए इंसान थे।

Page : 47 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q7. "सॉवले सपनों की याद" शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।

Answer. "सॉवले सपनों की याद" शीर्षक इस पाठ के लिए अत्यंत सार्थक है क्योंकि यह लेख सालिम अली की यादों को समर्पित है। लेखक ने सालिम अली के जीवन और उससे जुड़े संस्मरणों को "सॉवले सपनों की याद" कहा है। इसके साथ ही लेखक ने मानवता को प्रेम का संदेश दिया है, वह संदेश जो सालिम अली पूरी पृथ्वी को प्रकृति के प्रति देना चाहते थे।

Page : 47 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q8. प्रस्तुत पाठ सालिम अली की पर्यावरण के प्रति चिंता को भी व्यक्त करता है। पर्यावरण को बचाने के लिए आप कैसे योगदान दे सकते हैं?

Answer. पर्यावरण को बचाने के लिए हम अपना योगदान दे सकते हैं और हमें हर हाल में देना ही चाहिए।हम वृक्षारोपण करके प्रकृति की सुंदरता और दुनिया के अस्तित्व की आयु को बढ़ा सकते हैं। उन साधनों से बिलकुल दूर रहकर जो प्रकृति को नुक़सान पहुँचाते हैं, हम प्रकृति को ख़ुश कर सकते हैं। भौतिकवाद को समर्पित ना होकर यदि हम प्रकृति के प्रति समर्पित हो जाएँ तो पर्यावरण बचेगा और खुशियां भी आएँगीं।

Page : 47 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

edugross.com